भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 397

उत्तर देने की तारीख : 24 जून, 2019

अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण हेतु योजनाएं

397. श्रीमती राम्या हरिदास :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के सुरक्षोपायों हेतु कोई स्कीम चलाई जा रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त स्कीम के अंतर्गत केरल में अनेक सांस्कृतिक धरोहरों के सुरक्षोपाय, संरक्षण और संवर्धन से संबंधित कोई कार्य किया जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क) और (ख) : जी हां, संस्कृति मंत्रालय द्वारा 'भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की संरक्षा' नामक स्कीम नवम्बर, 2013 से कार्यान्वित की जा रही है, जिसका उद्देश्य विभिन्न संस्थाओं, समूहों, व्यक्तियों, अभिचिन्हित गैर-संस्कृति मंत्रालयी संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, अनुसंधानकर्ताओं तथा विद्वानों को पुन: सबल बनाना और पुन: सक्रिय करना है, ताकि वे भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के सुदृढ़ीकरण, संरक्षण, परिरक्षण और संवर्धन के लिए कार्यकलापों/परियोजनाओं हेतु कार्य कर सकें। इस स्कीम को संस्कृति मंत्रालय के नियंत्रणाधीन स्वायत्त संगठन, संगीत नाटक अकादेमी के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है।

(ग) और (घ) : जी हां, अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की संरक्षा के संबंध में केरल से प्राप्त दो प्रस्तावों को स्कीम के अंतर्गत इसके प्रारंभ से अनुमोदित किया गया है। अनुमोदित परियोजनाओं के ब्यौरे **अनुलग्नक** में दिए गए हैं।

अनुलग्नक

दिनांक 24 जून, 2019 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 397 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

स्कीम के अंतर्गत अनुमोदित अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की संरक्षा से संबंधित केरल से प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा :

क्र. सं.	**राज्य**	**संगठन/व्यक्ति का नाम**	**शीर्षक**	**संस्वीकृत अनुदान**
1	केरल	कलामंडलम राम चाक्यार	डेटा निर्माण, प्राचीन मंत्रमकम नाटक (लगभग दूसरी सदी ई.पू.) का वास्तविक मैनुअल (अट्टप्रकार और क्रमदीपिका) तैयार करना एवं पात्रों की महत्ता को सूचीबद्ध करना, भावी पीढ़ी के लिए प्रलेखन सहित नाटक का परिरक्षण करना। प्रस्तुति के कुल 41 दिन भी शामिल किए जाएंगे।	5,00,000/- रुपए
2	केरल	हरेकृष्णन के	कूडियाट्टम में प्रयुक्त परंपरागत रागों और तालों पर शोध, विवरण और प्रलेखन करना।	1,00,000/- रुपए

***